



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 151]
No. 151]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 30, 1999/आषाढ़ 9, 1921
NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 30, 1999/ASADHA 9, 1921

वाणिज्य मंत्रालय

(पाटन-रोधी विदेशालय)

आरम्भिक अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जून, 1999

विषय : दक्षिण कोरिया मूल के या वहां से निर्यातित एक्लीलोनाइटाइल बुटाडियन रबड़ (एन बीआर) पर लगाए गए पाटन-रोधी सीमा-शुल्क की समीक्षा का आरम्भ।

सं. 18/1/99-डी जी ए डी.—सीमा-शुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1955 तथा उसकी सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, पाटित वस्तुओं पर पाटन-रोधी सीमा-शुल्क का समाकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के अधीन प्राधिकारी ने दक्षिण कोरिया और जर्मनी मूल के या वहां से निर्यातित एक्लीलोनाइटाइल बुटाडियन रबड़ (जिसे इसमें इसके बाद एन बीआर कहा गया है) के पाटन पर अपने अन्तिम निष्कर्ष अधिसूचना सं० 9/1/95 एडीडी, ता० 17-7-97 द्वारा अधिसूचित किए सीमा-शुल्क अधिसूचना सं० 62 कस्टम्स, ता० 30-7-97 द्वारा लगाया गया था।

2. एन बीआर के एक उत्पादक मैसर्स अपार इण्डस्ट्रीज लि० ने जो पहले मैसर्स गुजरात अपार पॉलीमर्स लि० के नाम से जाने जाते थे, दक्षिण कोरिया के आयातकों द्वारा पाटन-रोधी सीमा-शुल्क अवशोषित करने एवं परिणमतः पाटन मार्जिन तथा भारतीय स्वदेशी उद्योग को हुई क्षति में वृद्धि को देखते हुए एन बीआर पर लगाए गए पाटन-रोधी सीमा शुल्क की समीक्षा करने और उसे बढ़ाने का अनुरोध किया।

3. स्वदेशी उद्योग : समीक्षा याचिका मै० अपार इण्डस्ट्रीज लि० ने दी है जिनका रजिस्टर्ड कार्यालय 301, पैनोरमा कम्प्लेक्स, बडोदरा-390007 में है। वादी, भारत में एन बीआर का अकेला उत्पादक है अतः इसे उपरोक्त नियमावली के अन्तर्गत, स्वदेशी उद्योग की ओर से लिखित अनुरोध देने का आधार प्राप्त है।

4. विचाराधीन उत्पाद : विचाराधीन उत्पाद एन बी आर है जो भारतीय सीमा-शुल्क अधिनियम, 1995 की अनुसूची-1 के शीर्ष 4002.59 तथा भारतीय व्यापार श्रेणिकरण (समांगीकृत वस्तु विवरण एवं कोडिंग पद्धति पर आधारित) के शीर्ष सं० 4002.59.00 के अन्तर्गत वर्गीकृत है। तथापि यह वर्गीकरण संकेतात्मक है और वर्तमान समीक्षा के विषय-क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

5. पाटन : वादी ने भारत को निर्यात मूल्य पर बन्दरगाहों से प्राप्त सौदे वार आयातों से एकत्र की गई सूचना के आधार पर पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत किया है। भारत को निर्यात मूल्य और दक्षिण कोरियाई उत्पादकों एवं निर्यातकों द्वारा भारत को छोड़ तीसरे देशों को विचाराधीन उत्पाद के निर्यात मूल्य के आधार पर सामान्य मूल्य की तुलना करने पर प्रथम दृष्टया पाटन के वजूद का पता चलता है।

6. इस बात के प्रथम दृष्टया पर्याप्त प्रमाण है कि वर्तमान पाटन-रोधी सीमा-शुल्क को लगाने के बाद पाटन रहता है।

7. क्षति : वादी का आरोप है कि पाटन-रोधी सीमा-शुल्क लगाने का प्रभाव दक्षिण कोरियाई निर्यातकों द्वारा पाटन-रोधी सीमा-शुल्क को स्वयं अवशोषित कर लेने के कारण निष्प्रभावी हो गया है। स्वदेशी उद्योग को वित्तीय हानियों, बाजार भागीदारी एवं उत्पादन की हानि के रूप में क्षति हो रही है क्योंकि उन्हें अपने मूल्य दक्षिण कोरियाई मूल्यों के बराबर रखने पड़ते हैं। अतः इसने पाटन-रोधी शुल्क के वर्तमान स्तर को बढ़ाने का अनुरोध किया है।

8. इस बात के प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं कि भारत में एनबीआर उद्योग को कोरियाई सप्लायरों द्वारा निर्यात मूल्यों को और भी घटा देने के कारण क्षति हो रही है।

9. प्रक्रिया : अतः नाम निर्दिष्ट प्राधिकारी, सीमा-शुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 और उसकी सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, पाटित वस्तुओं पर सीमा-शुल्क का समाकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के अधीन अधिसूचना सं. 9/1/95-एडीडी, तारीख 17-7-97 द्वारा अधिसूचित अन्तिम निष्कर्ष की समीक्षा आरम्भ करती है।

10. वर्तमान समीक्षा के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि 1-4-98 से 31-3-99 तक की है।

11. ज्ञात संबंधित निर्यातक तथा आयातक एवं स्वदेशी उद्योग को अलग से सूचना दी जा रही है ताकि वे सभी संबंधित सूचना निधारित रूप और ढंग से दे सकें। अन्य कोई हितबद्ध पार्टी यदि वर्तमान जांच में भाग लेना चाहे तो वह निम्नलिखित को लिख सकती है:—

श्रीमती रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी एवं अपर सचिव,
वाणिज्य मंत्रालय,
उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011

12. समय सीमा : इस जांच समीक्षा से संबंधित सभी सूचना प्राधिकारी के पास लिखित रूप में उपरोक्त पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों से अनधिक के भीतर पहुंच जानी चाहिए। तथापि ज्ञात निर्यातक और आयातक जिन्हें अलग से सूचित किया गया है उन्हें अलग से भेजे गए पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर सूचना प्रस्तुत करनी होगी।

13. नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पार्टी निर्धारित की गई समय सीमा की समाप्ति के पश्चात् उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा दी गई समय सीमा की समाप्ति पर दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय रूप दिए गए हैं।

14. यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना देने से मना करती है या उचित समय के भीतर अन्यथा सूचना नहीं देती या जांच में महत्वपूर्ण ढंग से बाधा डालती है, तो प्राधिकारी उसे उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्षों को रिकार्ड कर सकता है और केन्द्रीय सरकार को ऐसी सिफारिशें कर सकता है जो कि वह उचित समझता है।

रति विनय झा, नाम निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE

(Anti-Dumping Directorate)

Initiation Notification

New Delhi, the 30th June, 1999

Subject : Initiation of review of anti-dumping duty imposed on Acrylonitrile Butadiene Rubber (NBR) originating in or exported from South Korea.

No. 18/1/99-DGAD.—The Authority under the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping duty on dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995-notified final findings vide notification No. 9/1/95-ADD on 17-7-97 dumping of Acrylonitrile Butadiene Rubber (hereinafter referred to as NBR) originating or exported from South Korea and Germany. The duty was imposed vide notification No. 62-Customs dated 30-7-97.

2. **M/s Apar Industries Ltd.** earlier known as **M/s Gujarat Apar Polymers Ltd.**, a producer of NBR requested for review of anti-dumping duty imposed on NBR and increase the same in view of absorption of anti-dumping duty by the exporters from South Korea and consequential increase in dumping margin and injury to the Indian domestic industry.

3. **Domestic industry:** The review application has been filed by **M/s Apar Industries Ltd.** with registered office at 301, Panorama Complex, Vadodara-390007. Applicant is the only producer of NBR in India and, therefore, have a standing to file a written request on behalf of domestic industry under the rules aforesaid.

4. **Product under consideration:** The product under consideration is NBR, classified under heading 4002.59 of Schedule I of Indian Customs Tariff Act, 1995 and No.4002.59.00 under Indian Trade classification (based on Harmonized Commodity Description and Coding System). The classification is, however, indicative and is not binding on the scope of the present review.

5. **Dumping:** Applicant has provided reasonable evidence on export price to India on the basis of information compiled from the transaction-wise imports received from ports. Comparison of export price to India and the normal value based on the export price of the product under consideration by South Korean producers and exporters to third countries other than India, prima-facie indicates existence of dumping.

6. There is sufficient prima facie evidence that dumping exists after imposition of the existing anti-dumping duty.

7. **Injury:** The applicant averred that the effect of imposing anti-dumping duty has been nullified due to absorption of the anti-dumping duty by the South Korean exporters. Domestic industry is suffering injury by way of financial losses, loss of market share and production as they have to match their price with South Korean price. It has, therefore, requested to increase the level of anti-dumping duty already in imposition.

8. There is prima facie evidence that the domestic industry of NBR in India is suffering from injury caused by further reduction in export price by Korean suppliers.

9. **Procedure:** The Designated Authority, therefore, initiates review of final findings notified vide notification No. 9/1/95-ADD dt. 17.7.97 under the Customs Tariff (Amendment) Act 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995.

10. The period of investigation for the purpose of the present review is 1.4.98 to 31.3.99.

11. Known exporters and importers and the domestic industry are being addressed separately so as to obtain relevant information in the form and manner prescribed. Other interested parties are advised to make their submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner to:

Mrs. Rathi Vinay Jha, Designated Authority & Additional Secretary
Ministry of Commerce
Udyog Bhavan
New Delhi-110011.

12. **Time Limit:** Any information relating to present investigation should be sent in writing so as to reach the authority at the address mentioned above not later than 40 days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers who are being addressed separately are however, required to submit the information within 40 days from the date of letter addressed to them separately.

13. In terms of rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties after expiry of time limit set out.

14. In case where any interested party refuses access to or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may records its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority